

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



News

VFS Mahamilan (13th Nov) (Vaikuntha Fun School, ISKCON East of Kailash)

Celebrations have always been integral to the Indian culture. It not only keeps us connected to our traditions and values but also infuses enthusiasm to learn much more. ISKCON always believe in the overall nurturing of people from all age groups through celebrations like picnic, get together, festivals, etc. Vaikuntha Fun School organized a mahamilan program wherein the little devotees and teachers from all the centers gathered at the auditorium in ISKCON, East of Kailash. More than 250 people enjoyed being a part of this mega event. Following the Vedic standards, the program started with the lighting of a lamp by H.G. Balabhadra Prabhu (Director, ISKCON Delhi Namahatta) and H.G. Sarvapriya Prabhu (Director, Vaikuntha Fun School). The vibrant chant of the Holy name surcharged the atmosphere with spiritual vibrations. Various activities were organized wherein little devotees were encouraged to express themselves through interactive games. Other aspects of their personality building like team spirit, dance, and art were also the major attractions. Return gifts were given to every participant. There were interesting games and quizzes for parents too who really appreciated being a part of it. The program ended with a sumptuous prasadam for everyone.



Disha Festival (26th November) (ISKCON Girls Forum, ISKCON East of Kailash)

One of the primary goals of ISKCON is to provide



समाचार

वैकुण्ठ फन स्कूल महामिलन (13 नवंबर) (वैकुण्ठ फन स्कूल, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

उत्सव सदा से ही भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। यह न केवल हमें अपनी परंपराओं एवं मूल्यों से जोड़े रखता है बल्कि और भी बहुत कुछ सीखने के उत्साह को भी बढ़ाता है। इस्कॉन सदा सभी आयु वर्ग के लोगों के समग्र पोषण में विश्वास करता है, जैसे कि पिकनिक, गेट टूगेदर, त्यौहार आदि। वैकुण्ठ फन स्कूल ने एक महामिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें सभी केंद्रों के नन्हे-मुन्ने भक्त एवं शिक्षक इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश के सभागार में एकत्रित हुए। 250 से अधिक लोगों ने इस मेगा इवेंट का हिस्सा बनकर आनंद लिया। वैदिक मानकों का पालन करते हुए, श्रीमान बलभद्र प्रभु (नामहट्ट निदेशक, इस्कॉन दिल्ली) एवं श्रीमान सर्वप्रिय प्रभु (निदेशक, वैकुण्ठ फन स्कूल) द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। पवित्र हरिनाम के स्फूर्तिदायक मंत्र ने वातावरण को आध्यात्मिक स्पंदनों से आप्लावित कर दिया। विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें छोटे भक्तों को परस्पर संवादात्मक खेलों के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। उनके व्यक्तित्व निर्माण के अन्य स्वरूप जैसे दल भावना, नृत्य एवं कला भी प्रमुख आकर्षण थे। सभी प्रतिभागियों को उपहार दिए गए। माता-पिता एवं अविभावकों हेतु भी रुचिकर खेल एवं प्रश्नोत्तरी आयोजित किये गए थे, उन्होंने इसका हिस्सा बनने पर इसकी वास्तविक सराहना की। कार्यक्रम का समापन सभी के लिए शानदार भोज प्रसादम के साथ हुआ।

दिशा महोत्सव (26 नवंबर) (इस्कॉन बालिका मंच, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस्कॉन के प्राथमिक लक्ष्यों में से एक आधुनिक संसार के भटके हुए युवाओं को एक दिशा प्रदान करना है। यह समारोह ईस्ट ऑफ कैलाश के आईजीएफ (इस्कॉन बालिका मंच) द्वारा आयोजित किया जा रहा है। उर्मिला माताजी के कुशल तत्वावधान में बालिका मंच ने 'दिशा' नामक एक वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस उत्सव में लगभग 300 लड़कियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में आत्मा को तरंगित करने वाला कीर्तन, मनोहारी नृत्य एवं आचार्यों द्वारा दिए गए भजनों का मधुर गायन शामिल था। आधुनिक समय में आध्यात्मिकता के मूल्यों पर एक संगोष्ठी भी आयोजित की गई। नृत्य एवं संगीत के समसामयिक रूप को आध्यात्मिक कलेवर प्रदान कर आयोजित किये गए एक रॉक डांस ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उत्सव में मंदिर के विभिन्न वरिष्ठ

a direction to the misguided youth population of the contemporary world. This function is being performed by the IGF of East of Kailash. Under the able aegis of H.G.Urmila Mataji, the Girls' Forum organized an annual event called 'Disha'. Almost 300 girls participated in this festival. The program included soul-stirring kirtan, graceful dances, and melodious singing of bhajans given by acharyas. A seminar was also held on the value of spirituality in modern times. A rock dance enthralled the audience, giving a spiritual twist to a contemporary form of dance and music. The festival was attended by various senior devotees from the temple. Their discourses provided food for thought and insightful directives to the assembled girls. The first-timers were completely bowled over by the relevance of spiritual life, which they discovered after attending this confluence. They were impressed by the practicality of the process given in Vedic life. They were also amazed to see so many young girls following it wholeheartedly, leading peaceful and empowered lives.



Advent of Bhagavad-Gita (3rd December)

Not only devotees but all thinkers and philosophers, unanimously accept Bhagavad-Gita as a treatise to a peaceful and uplifting human life. Srila Prabhupada enhanced its position by presenting it as the antidote to all maladies of Modern life. The teachings of the Gita contain solutions to all material problems, leading the path to the development of divine consciousness, and setting one free from the cycle of birth and death. The day of the advent of Bhagavad-Gita was celebrated with gratitude and reverence. Devotees gathered to chant all the 700 shlokas of the Gita. These reading sessions were attended by hundreds physically and by thousands online. The temple reverberated with the verses, each one of which is a precious jewel. These verses define, elucidate and present the real purpose of human life and ways to achieve it.

Celebrating Bhagavad-Gita (3rd Dec) (ISKCON, Punjabi Bagh)

Gita Jayanti yajna was organized for world peace and happiness during which all 700 verses were chanted. The yajna saw participation from more than 1000 devotees. After the yajna, a special class was presented by H.H. Prabhodananda Swami Maharaja on Bhagavad-Gita, its history, relevance, purpose, and application. A wonderful feast prasadam was served to all the devotees, guests, and visitors after the class. Srila Prabhupada (Founder Acharya of ISKCON) translated Bhagavad-Gita into English which is being distributed in millions by devotees around the world during this month of Gita Jayanti. ISKCON, Punjabi Bagh is targeting to distribute 4 lakhs Bhagavad-Gita.



भक्तों ने भाग लिया। उनके प्रवचनों ने एकत्रित बालिकाओं को वैचारिक आहार एवं व्यावहारिक निर्देश प्रदान किया। पहली बार आने वाले तो आध्यात्मिक जीवन की प्रासंगिकता से पूर्ण रूप से प्रभावित थे, जिसे उन्होंने इस महामिलन में भाग लेने के उपरान्त अनुभव किया। वे वैदिक जीवन में दी गई प्रक्रिया की व्यावहारिकता से प्रभावित थे। वे यह देखकर भी चकित थे कि इतनी सारी युवा लड़कियाँ पूरे हृदय से इसका पालन कर, शांतिपूर्ण और सशक्त जीवन जी रही हैं।

भगवद गीता का प्रादुर्भाव (3 दिसंबर)

केवल भक्त ही नहीं बल्कि सभी दार्शनिक एवं विचारक, सर्वसम्मति से भगवद-गीता को एक शांतिपूर्ण एवं मानव जीवन के उत्थान हेतु रचित ग्रंथ के रूप में स्वीकार करते हैं। श्रील प्रभुपाद ने इसे आधुनिक जीवन की सभी विकृतियों के प्रतिकारक के रूप में प्रस्तुत करके इसकी उच्च स्थिति को विस्तारित किया है। गीता के उपदेशों में सभी भौतिक समस्याओं का समाधान है, जो दिव्य चेतना के विकास का मार्ग प्रशस्त करता है तथा जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्त करता है। भगवद गीता के प्रादुर्भाव का दिन श्रद्धा और आभार के साथ मनाया गया। भगवद गीता के सभी 700 श्लोकों का पाठ करने हेतु भक्तगण एकत्रित हुए। इन गीता पाठन सत्रों में सैकड़ों लोगों ने स्वयं उपस्थित होकर तथा हजारों लोगों ने ऑनलाइन भाग लिया। मंदिर श्लोकों से गुंजायमान हो गया, जिनमें से प्रत्येक श्लोक एक अनमोल रत्न है। ये श्लोक मानव जीवन के वास्तविक उद्देश्य को परिभाषित तथा उसके प्राप्ति की विधि की विशद व्याख्या को प्रस्तुत करते हैं।



गीता जयंती उत्सव (3 दिसंबर) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

विश्व शांति एवं सुख समृद्धि हेतु गीता जयंती यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें सभी 700 श्लोकों का पाठ किया गया। यज्ञ में 1000 से



Gita distribution at Tihar Jail (4th Dec)
(ISKCON, Dwarka)

ISKCON Dwarka was helping the inmates at Tihar Jail to cleanse their consciousness by spreading the wisdom of the eternal creator Lord Sri Krishna through Bhagavad-Gita distribution.

New Entry for the Temple
(ISKCON, Punjabi Bagh)

Ever since the temple had opened, space was a major concern to facilitate the growing number of visitors to the temple. After receiving an adjacent plot in a historical development for ISKCON Punjabi Bagh, the temple made basic changes to the entry and relocation of various stalls to facilitate all visitors. The parking space for all temple vehicles has been moved inside the campus, and the shoe stall, stall for purchasing fruits and garlands for offering, and prasadam distribution stall - all have been moved inside. These changes have enhanced visitors' experience, have smoothed the traffic movement on the outside road, increased the security of the temple, and facilitated the regular volunteers and staff in their daily services.

EVOLVE - Sessions on the Essence of Bhagavad-Gita
(ISKCON, East of Kailash)

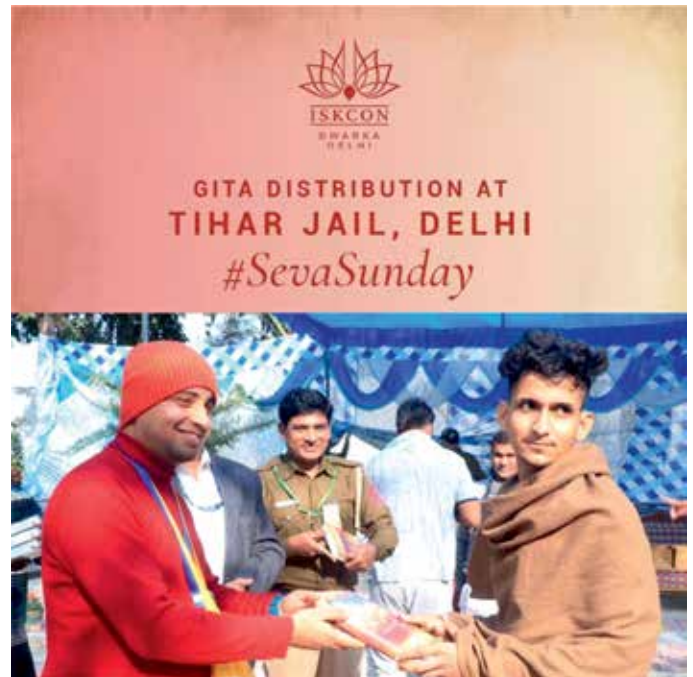
In today's world, conventional education is not enriching human civilization. Therefore, to empower the youth of today, special 7-day sessions on the Bhagavad-Gita were organized at the Auditorium Hall of ISKCON Temple, Delhi under the guidance of the top spiritual leaders who shared their wisdom with the audience. The first lecture of this 7-day series was delivered by H.G. Mohan Rupa Prabhu, Temple President of ISKCON Delhi. He gave a very



अधिक भक्तों की भागीदारी देखी गई। यज्ञोपरान्त, परम पूज्य प्रबोधानंद स्वामी महाराज द्वारा भगवद-गीता, इसके इतिहास, प्रासंगिकता, उद्देश्य एवं अनुप्रयोग पर एक विशेष प्रवचन प्रस्तुत किया गया। प्रवचन के पश्चात सभी अतिथियों, आगंतुकों एवं भक्तों हेतु अद्भुत भोज प्रसादम परोसा गया। इस्कॉन के संस्थापकाचार्य श्रील प्रभुपाद द्वारा अंग्रेजी अनुवादित श्रीमद भगवद-गीता को गीता जयंती के इस महीने में संसार भर के लाखों भक्तों द्वारा करोड़ों लोगों में वितरित किया जा रहा है। इस्कॉन, पंजाबी बाग ने 4 लाख भगवद-गीता वितरित करने का लक्ष्य रखा है।

तिहाड़ जेल में गीता वितरण (4 दिसंबर)
(इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन द्वारका, श्रीमद भगवद-गीता वितरण के माध्यम से, शाश्वत श्रृष्टा, भगवान श्री कृष्ण के ज्ञान का प्रसार करके तिहाड़ जेल के कैदियों की चेतना को शुद्ध करने में सहायता कर रहा है।



मंदिर का नवीन प्रवेश मार्ग
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

जब से मंदिर उद्घाटित हुआ है, मंदिर में आगंतुकों की बढ़ती संख्या को सुविधाजनक बनाने हेतु स्थान एक प्रमुख चिंता का विषय रहा था। इस्कॉन पंजाबी बाग के एक ऐतिहासिक विकास में, आसन्न भूखंड प्राप्ति पश्चात, मंदिर ने सभी आगंतुकों की सुविधा हेतु प्रवेशद्वार एवं विभिन्न स्टालों के स्थानांतरण में आधारभूत परिवर्तन किए। मंदिर के सभी वाहनों हेतु पार्किंग स्थल एवं जूता घर, परिसर के अंदर स्थानांतरित कर दिया गया है, भोग अर्पित करने हेतु फल-फूल तथा माला विक्री के स्टाल और प्रसादम वितरण स्टॉल - सभी को अंदर ले जाया गया है। इन परिवर्तनों ने आगंतुक श्रद्धालुओं की संख्या एवं अनुभव को बढ़ाया है, बाहरी सड़क पर यातायात के आवागमन को सुचारू किया है, मंदिर की सुरक्षा में वृद्धि की है और नियमित स्वयंसेवकों तथा कर्मचारियों को उनकी दैनिक सेवाओं में सुविधा प्रदान की है।

इवाल्व - भगवद-गीता के सार पर आधारित सत्र
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

आज के संसार में, पारंपरिक शिक्षा मानव सभ्यता को समृद्ध नहीं कर रही है। इसलिए, आज के युवाओं को सशक्त बनाने हेतु, इस्कॉन दिल्ली मंदिर के सभागार हॉल में भगवद-गीता पर विशेष 7-दिवसीय सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें शीर्ष आध्यात्मिक नेतृत्व ने अपने ज्ञान



enlightening lecture on the topic of "Does God Exist?" H.G. Sarvapriya Prabhu and H.G. Rishi Kumar Prabhu, Vice Presidents of ISKCON Delhi, also shared their knowledge with the audience. H.G. Rasraj Prabhu created a humorous atmosphere with his jokes which were full of teachings. H.G. Ajanma Krishna Prabhu shared some important points about Supreme God & Demigods. This 7-day series proved to be a big success for ISKCON Delhi as 450 people (of all ages) attended and took dinner prasadam. The program ended with an entertaining educational drama and ecstatic kirtan by devotees. ISKCON Delhi (East of Kailash) is conducting seminars for youth every Saturday from 6:30 pm onwards.

🌳 "Little children shall lead them!" (ISKCON, Punjabi Bagh)

120 students along with 21 teachers went for a picnic at Sri Jagannath temple at Hauz Khas. The picnic consisted of traveling together, sharing food (prasadam), taking darshans of Lord Jagannath at the temple, performing kirtan, and a lot of games at the deer park that is located in the front of the temple. Senior students also performed a Nukkad Natak on "The importance of Bhagavad Gita". All the students then collectively went for distributing transcendental books on the theme of Bhagavad- Gita. Students of Sunday School went for book distribution every Sunday during the Gita marathon in December. Going out for book distribution not only blossoms the personality of these children with the value of courage, and service and develops social skills but also inspires others to accept and explore the teachings of Bhagavad-Gita.

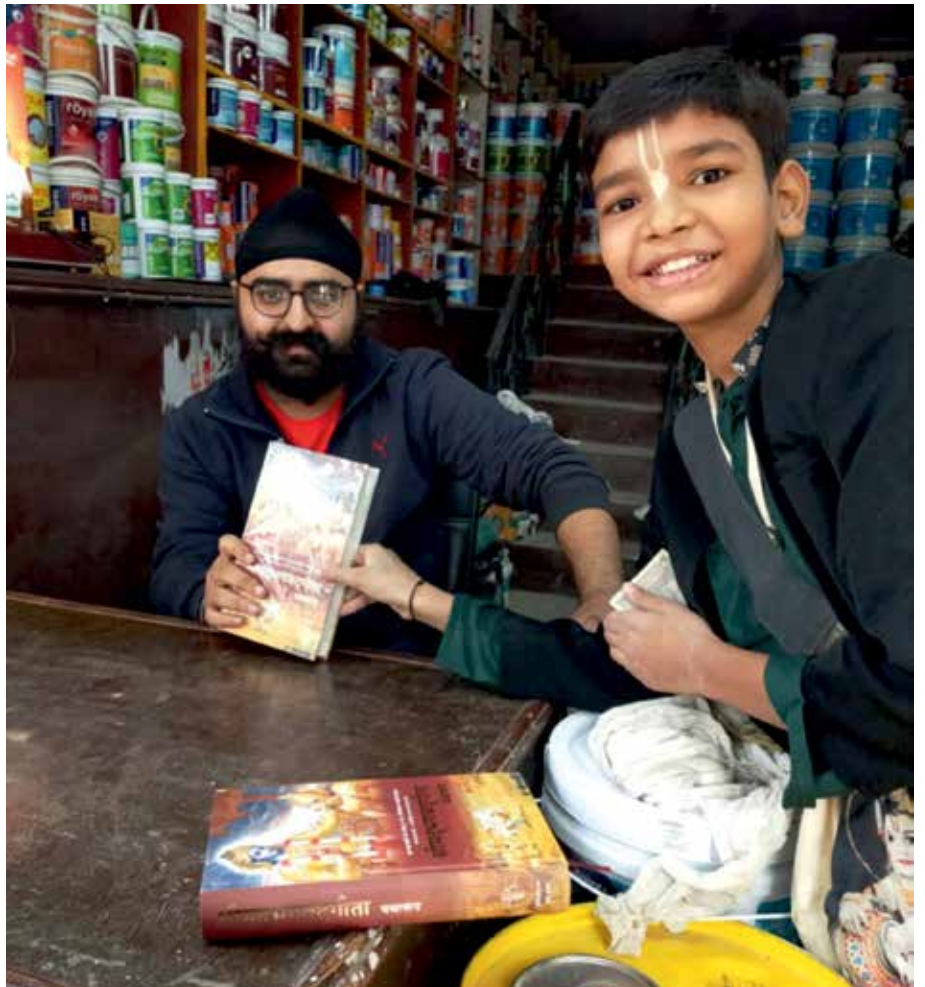
🌳 Recognition by the Government of India (ISKCON, Dwarka)

ISKCON Dwarka is honoured to receive the 'Excellent Services in Youth De-Addiction & Counselling' award from Shri Arjun Singh Meghwal, Cultural Minister at the MSME event held in Delhi.

को साझा कर दर्शकों का मार्गदर्शन किया। इस 7 दिवसीय श्रृंखला का प्रथम व्याख्यान इस्कॉन दिल्ली मंदिर के अध्यक्ष श्रीमान मोहन रूप प्रभु द्वारा दिया गया। उन्होंने "क्या ईश्वर का अस्तित्व है?" विषय पर एक बहुत ही ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। इस्कॉन दिल्ली के उपाध्यक्ष श्रीमान सर्वप्रिय प्रभु एवं श्रीमान ऋषि कुमार प्रभु ने भी दर्शकों के साथ अपने ज्ञान को साझा किया। श्रीमान रसराज प्रभु ने अपने चुटीले अंदाज में भारी भरकम शिक्षाओं से ओतप्रोत करते हुए एक विनोदी वातावरण बनाया जो शिक्षाओं से भरा था। श्रीमान अजन्मा कृष्ण प्रभु ने परम भगवान् और देवी-देवताओं के विषय में कुछ महत्वपूर्ण बातें साझा कीं। यह 7 दिवसीय श्रृंखला इस्कॉन दिल्ली हेतु एक बड़ी सफलता के रूप में सामने आई क्योंकि इसमें (सभी उम्र के) 450 लोगों ने भाग लिया और भोज प्रसादम लिया। कार्यक्रम का समापन भक्तों द्वारा एक मनोरंजक शैक्षिक नाटक और भावपूर्ण कीर्तन के साथ हुआ। इस्कॉन दिल्ली (ईस्ट ऑफ कैलाश) प्रत्येक शनिवार शाम साढ़े छह बजे से युवाओं हेतु सेमिनार आयोजित कर रहा है।

🌳 "छोटे बच्चे उनका नेतृत्व करेंगे!" (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

हौज खास के श्री जगन्नाथ मंदिर में 21 शिक्षकों के साथ 120 छात्र पिकनिक मनाने गए। पिकनिक में एक साथ यात्रा करना, भोजन (प्रसादम) साझा करना, मंदिर में भगवान जगन्नाथ के दर्शन करना, कीर्तन करना एवं मंदिर के सामने स्थित हिरण अभ्यारण्य में बहुत सारे खेल शामिल थे। वरिष्ठ छात्रों ने "भगवद गीता के महत्व" पर एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। तब सभी छात्र सामूहिक रूप से भगवद-गीता विषय पर आधारित दिव्य-पुस्तकों के वितरण हेतु गए। रविवारीय विद्यालय के छात्र दिसंबर में गीता मैराथन के दौरान प्रति रविवार को





पुस्तक वितरण के लिए जाते हैं। पुस्तक वितरण के लिए बाहर जाने से न केवल इन बच्चों के व्यक्तित्व में साहस, सेवा और सामाजिक कौशल का विकास होता है बल्कि दूसरों को भी भगवद-गीता की शिक्षाओं को ढूँढ़ने तथा अङ्गीकार करने की प्रेरणा मिलती है।

भारत सरकार द्वारा मान्यता

(इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन द्वारका को, श्री अर्जुन सिंह मेघवाल, सांस्कृतिक मंत्री द्वारा ‘‘ युवा नशामुक्ति एवं परामर्श ‘‘ में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने हेतु दिल्ली में आयोजित MSME कार्यक्रम में पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस्कॉन युवा मंच देहरादून की सड़कों पर उतरा (5-19 दिसंबर)

(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

भगवद गीता मैराथन माह के अंतर्गत इस्कॉन पंजाबी बाग में युवा मंच की टीम देहरादून की सड़कों पर उतरी। इस्कॉन पंजाबी बाग के 20 युवा भक्तों ने देहरादून की यात्रा की और बाजार, ट्रैफिक-सिग्नल एवं सार्वजनिक स्थानों पर श्रील प्रभुपाद की पुस्तकें वितरित कीं। प्रतिदिन औसतन 500 पुस्तकों के वितरण के साथ, देहरादून का कार्यक्रम भक्तों हेतु बहुत सफल रहा। जिस नगर ने भक्तों का बाहें फैलाकर स्वागत किया उसमें कुल 7000 पुस्तकें वितरित की गईं। आईवाईएफ पंजाबी बाग ने इस महीने 15000 गीता बांटने का लक्ष्य रखा है।

IYF hits the streets of Dehradun (5th – 19th Dec)

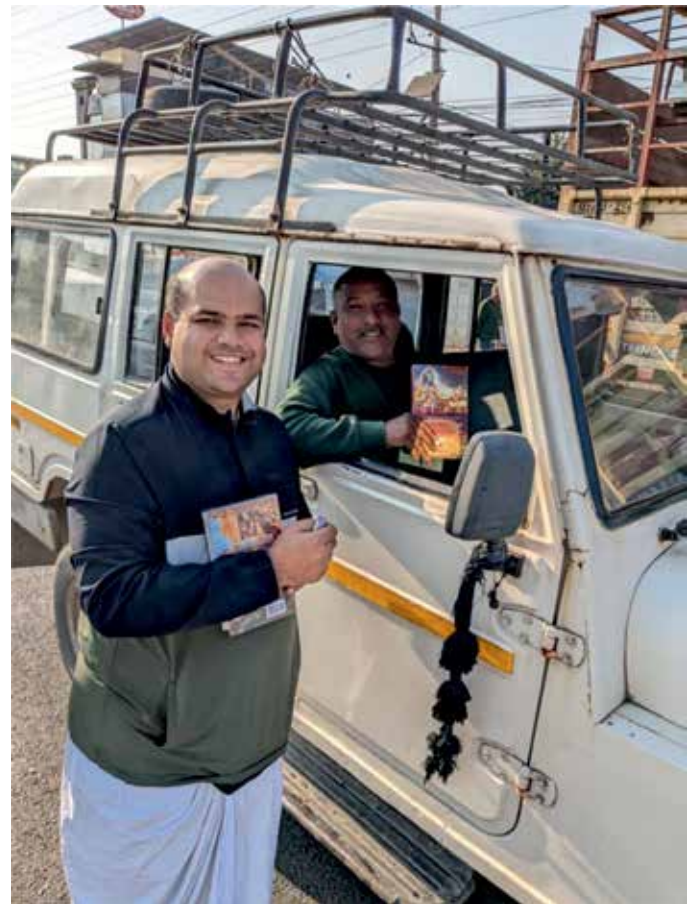
(ISKCON, Punjabi Bagh)

As part of the Bhagavad Gita Marathon month, the youth forum team at ISKCON Punjabi Bagh hit the streets of Dehradun. 20 young devotees from ISKCON Punjabi Bagh traveled to Dehradun and distributed Srila Prabhupada's books across markets, signals, and public places. With an average of 500 books being distributed every day, the Dehradun stint turned out to be very successful for the devotees. A total of 7000 books were distributed in the city which welcomed the devotees with open arms. IYF Punjabi Bagh has set a target of distributing 15000 Gitas this month.

Golden Brick Installation (11th Dec)

(ISKCON, Rohini)

By the mercy of Sri Guru, Sri Gauranga & with the blessings of Vaishnavas, the temple is moving towards its



‘गोल्डन ब्रिक’ की स्थापना (11 दिसंबर)

(इस्कॉन, रोहिणी)

श्री गुरु एवं श्री गौरांग की दया तथा वैष्णवों के आशीर्वाद से, मंदिर अपने भव्य उद्घाटन की ओर बढ़ रहा है। इसका प्रथम प्रकाश सभी ने देखा जब श्री श्री राधा माधव के चरण कमलों में स्वर्णिम पत्थर के स्थापना समारोह हेतु 500 से अधिक दानदाताओं को आमंत्रित किया गया



grand opening. Its first glimpse was witnessed by everyone when more than 500 donors were invited for the installation ceremony of Golden Bricks at the lotus feet of Sri Sri Radha Madhav. The 'Golden Brick' sponsorship of 1 lakh rupees is one of the fundraising schemes launched in the initial years of the temple construction. A great spirit was seen in everyone for the event. The ground Floor of the temple which is proposed to be 'Govindas' in the future was chosen as the site for the whole program. A yajna was performed by H.G. Amrit Gaur Prabhu assisted by H.G. Sachinandana Prem Prabhu. Ecstatic kirtan continued throughout the ceremony. H.G. Rukmini Krishna Prabhu was also present to encourage all the devotees. The program ended with the sumptuous lunch prasadam & a vow to help in the formal opening of the temple as soon as possible.

Disappearance day of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura (12th December) (ISKCON, East of Kailash)

The disappearance day of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura, the spiritual master of Srila Prabhupada was celebrated with pushpanjali, kirtan, and feast. Devotees offered prayers to the 'Lion Guru' for becoming fearless in their struggle with Maya, by taking shelter of Mayapati, Krishna. Devotees chanted more, read and discussed the teachings of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura, who preached uninhibitedly, and inspired Srila Prabhupada, to do the same, in the Western countries, inflicted with ignorance.



जिज्ञासा-2022 International Conference (17th -18th Dec) (ISS Delhi, ISKCON Delhi)

Institute for Science and Spirituality (ISS) in association with the Indian Knowledge Systems (IKS) Division of the Ministry of Education, Govt of India organized a two-day international conference, जिज्ञासा-2022 on the theme "Science and Philosophy in Indian Knowledge Systems" at Noida International University. IKS is an emerging popular term for India's vast knowledge traditions. It can be classified into chaturdasha (14) vidya and chatuhshasthi (64) kala as known in ancient India. The subject of inquiry spans practically all branches of human inquiry, viz., architecture and engineering, pure sciences, earth sciences, biosciences, literature, philosophy, law and justice, grammar, mathematics and astronomy, metrics, agriculture, mining, metallurgy, trade and commerce, Ayurveda and yoga, medicine and life sciences, geography, military science, etc. After a rigorous

था। 1 लाख रुपये की 'गोल्डन ब्रिक' प्रायोजन, मंदिर निर्माण के प्रारंभिक वर्षों में आरंभ की गई धन एकत्रित करने वाली योजनाओं में से एक है। इस आयोजन को लेकर सभी में गजब का उत्साह देखा गया। मंदिर के भूतल को भविष्य में 'गोविंदास' बनाने का प्रस्ताव है, जिसे पूरे कार्यक्रम हेतु आयोजन-स्थल के रूप में चुना गया था। श्रीमान अमृत गौर प्रभु ने श्रीमान सचिन्दन प्रेम प्रभु की सहायता से एक यज्ञ किया। पूरे समारोह के दौरान भावपूर्ण कीर्तन अनवरत सुचारु रहा। सभी भक्तों को प्रोत्साहित करने हेतु श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु जी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम भव्य भोज प्रसादम एवं शीघ्रातिशीघ्र मंदिर के औपचारिक उद्घाटन में सहायता करने के संकल्प के साथ समाप्त हुआ।

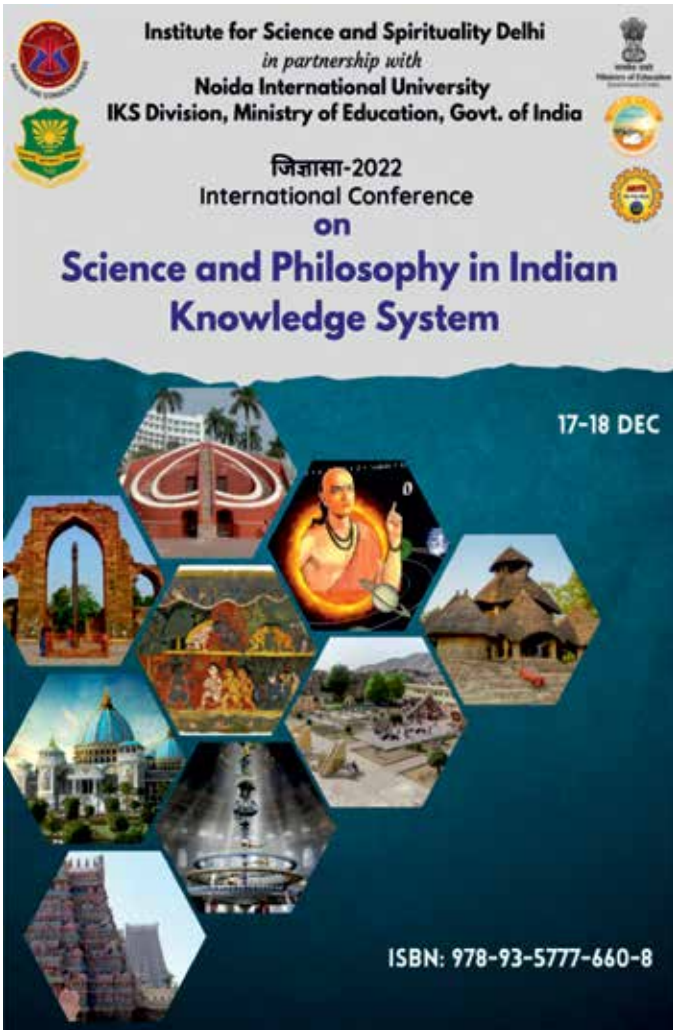
श्रील भक्तिसिद्धांत सरस्वती ठाकुर का तिरोभाव दिवस (12 दिसंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील प्रभुपाद के आध्यात्मिक गुरु श्रील भक्तिसिद्धांत सरस्वती ठाकुर का तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि, कीर्तन एवं भोज प्रसादम के साथ मनाया गया। भक्तों ने मायापति, श्री कृष्ण की शरण लेकर, माया के साथ अपने संघर्ष में निर्भीक बनने हेतु 'सिंह गुरु' से प्रार्थना की। भक्तों ने अधिक जप किया एवं श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर की शिक्षाओं को पढ़ा और चर्चा की, जिन्होंने निर्विघ्न रूप से प्रचार किया, और श्रील प्रभुपाद को भी पश्चिमी देशों में, जो कि अज्ञानता से ग्रस्त थे, ऐसा ही करने हेतु प्रेरित किया।



जिज्ञासा-2022 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (17-18 दिसम्बर) (आईएसएस दिल्ली, इस्कॉन दिल्ली)

अध्यात्म एवं विज्ञान संस्थान (आईएसएस) ने भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) विभाग शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से विज्ञान एवं दर्शन" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जिज्ञासा-2022 का आयोजन आईकेएस नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में किया। IKS भारत की विशाल ज्ञान परंपराओं हेतु एक उभरता हुआ लोकप्रिय शब्द है। जिसे प्राचीन भारत में चतुर्दश: (14) विद्या और चतुःषष्टी: (64) कला के रूप में वर्गीकृत करके जाना जाता था। जाँच का विषय व्यावहारिक रूप से मानव जिज्ञासा की सभी शाखाओं तक फैला हुआ है, जैसे वास्तुकला एवं अभियांत्रिकी, विशुद्ध-विज्ञान, मृदा-विज्ञान, जीव-विज्ञान, साहित्य, दर्शन, न्याय एवं कानून, व्याकरण, गणित और खगोल विज्ञान, परिमाणन, कृषि, खनन, धातु-



विज्ञान, वाणिज्य एवं व्यापार, योग एवं आयुर्वेद, चिकित्सा और जीवन विज्ञान, भूगोल, सैन्य विज्ञान आदि। कठोर समीक्षा प्रक्रिया के पश्चात, मौखिक प्रस्तुतियों हेतु लगभग 45 प्रपत्रों को सूचीबद्ध किया गया था। वैज्ञानिक चर्चा तीन प्राथमिक क्षेत्रों, जो कि हैं, भारतीय ज्ञान प्रणाली में मौलिक विज्ञान, भारतीय ज्ञान प्रणाली-आधारित प्राचीन तकनीकें एवं भारतीय ज्ञान प्रणाली का दार्शनिक आधार, में विस्तारित हुई हैं। इस कार्यक्रम में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया एवं 100 से अधिक ने सजीव प्रसारण के माध्यम से भाग लिया। एरिजोना विश्वविद्यालय से चेतना अध्ययन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्ता प्रो. स्टुअर्ट हैमरॉफ इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी के निदेशक प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा ने भगवत सांख्य के मन एवं पदार्थ के दृष्टिकोण पर अपनी शानदार मीमांशा के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम के अन्य उल्लेखनीय अतिथि प्रोफेसर गिरीश चंद्र त्रिपाठी, अध्यक्ष, उच्च शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश, प्रोफेसर गंटी एस. मूर्ति, राष्ट्रीय समन्वयक, आईकेएस डिवीजन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, प्रो वीरेंद्र कुमार विजय इरेडा के अध्यक्ष प्राध्यापक, सीआरडीटी, आईआईटी दिल्ली एवं राष्ट्रीय समन्वयक - उन्नत भारत अभियान (यूबीए), एमएचआरडी, भारत सरकार तथा प्रोफेसर उमा भारद्वाज, कुलपति, नोएडा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय। अमेरिका के हिंदू विश्वविद्यालय से डॉ. राज वेदम, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से प्रो. सी. उपेंद्र राव, आईआईटी बीएचयू से प्रो. निर्माल्या गुहा, डॉ. एम.ए. अलवर- मैसूर विश्वविद्यालय से, जेफत अकादमिक कॉलेज, इजराइल से प्रो. इथमर थियोडॉर एवं अन्य सभी ने प्राचीन भारत की वैज्ञानिक और दार्शनिक परम्परा को गहन रूप से दर्शाया। इसके अतिरिक्त, हमारी प्राचीन ज्ञान प्रणालियों पर आधारित आधुनिक वैज्ञानिक जांच के कई मार्ग आगे के वैज्ञानिक तथा दार्शनिक शोध एवं अनुसंधान हेतु तैयार किए गए।

review process, around 45 papers were short-listed for oral presentations. The scientific discussion spanned over three primary areas, i.e., Fundamental Sciences in IKS, IKS-based ancient technologies, and the philosophical foundation of IKS. More than 250 participants attended the event in person and more than 100 attended virtually. Prof. Stuart Hameroff, an internationally acclaimed researcher in Consciousness studies at the University of Arizona was the chief guest at the event. Prof. Laxmidhar Behera, Director of the Indian Institute of Technology, Mandi enthralled the audience with his fabulous reflection on Bhagavat Samkhya's perspectives of matter and mind. Other notable guests of this event were Prof. Girish Chandra Tripathi, Chairman, Higher Education Council, Uttar Pradesh, Prof Ganti S. Murthy, National Coordinator, IKS Division, Ministry of Education, Govt of India, Prof. Virendra Kumar Vijay IREDA Chair Professor, CRDT, IIT Delhi & National Coordinator - Unnat Bharat Abhiyan (UBA), MHRD, Govt. of India and Prof. Uma Bharadwaj, VC, Noida International University. Talks by Dr. Raj Vedam from the Hindu University of America, Prof. C. Upendra Rao from Jawaharlal Nehru University, Prof. Nirmalya Guha from IIT BHU, DR. M.A. Alwar from the University of Mysuru, Prof. Ithamar Theodor from Zefat Academic College, Israel and others made everyone reflect deeply into the scientific and philosophical heritage of ancient India. Moreover, several avenues of modern scientific investigations based on our ancient knowledge systems were chalked out for further scientific and philosophical research.



वृद्धाश्रम का दौरा

(वीएफएस, आश्रय वैश्वी फोरम, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस्कॉन सदा ही संसार के प्रत्येक कौने-कौने में शांति और प्रसन्नता वितरित करने हेतु प्रतिबद्ध रहा है। वैकुंठ फन स्कूल एवं आश्रय वैश्वी फोरम की एक संयुक्त पहल है "बाल गोपाल संघ", जो लोगों की उम्र, आर्थिक स्थिति आदि बिना देखे उनकी सहायता करने में पूर्णतः सक्रिय रूप से शामिल है। इस महीने, भक्तों की एक टीम ने एक एनजीओ का दौरा किया जो अल्जाइमर से पीड़ित वृद्ध लोगों की देखभाल करता है।

Old Age Home Visit (VFS, Ashraya Vaishvani Forum, ISKCON East of Kailash)

ISKCON has always been committed to spreading peace and happiness in every nook and corner of the globe. Bal Gopal Sanga a combined initiative of Vaikuntha Fun School and Ashraya Vaishnavi forum is proactively involved in helping people irrespective of their age, economic status, etc. This month, a team of devotees visited an NGO that looks after old age people suffering from Alzheimer's.

The program started with the ecstatic kirtan. The chants of the Holy name mesmerized everyone. Everyone including the patient care coordinators and various other staff enjoyed dancing together with old age people to the transcendental melody. Following the standards given by our Founder-Acharya, His Divine Grace A. C. Bhaktivedanta Swami Srila Prabhupada, the devotees fed them with sumptuous prasadam. Special fat-free cakes with less sugar were baked keeping in mind their nutritional requirements along with Til ladoos which is a winter delicacy. They were served with love and care. A short interactive session was held on the 'happiness formula' to keep everyone involved.

Disappearance day of Srila Jiva Goswami (26th December) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Jiva Goswami's disappearance was celebrated with pushpanjali, kirtan and feast. Srila Jiva Goswami, the youngest of the six Goswamis of Vrindavana, took over the baton of Vaishnavism from his exalted uncles, Srila Rupa Goswami and Srila Sanatana Goswami. Taking it forward through literature, preaching and book distribution, Srila Jiva Goswami, established the foundations of the modern Krishna consciousness movement, which was to bring the whole world under one umbrella of devotion, as then taken up by Srila Prabhupada.



कार्यक्रम का शुभारम्भ भावपूर्ण कीर्तन से हुआ। पवित्र हरिनाम के जप ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। रोगी देखरेख समन्वयकों एवं अन्य विभिन्न कर्मचारियों सहित सभी ने वृद्ध लोगों के साथ दिव्य कीर्तन की धुन पर नृत्य करने का आनंद लिया। हमारे संस्थापक-आचार्य, कृष्ण कृपामूर्ति ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी श्रील प्रभुपाद द्वारा दिए गए मानकों का पालन करते हुए, भक्तों ने उन्हें शानदार प्रसादम खिलाया। उनकी पोषण संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कम चीनी के साथ बेक किया गया, वसा रहित विशेष केक के साथ तिल के लड्डू भी थे, जो कि सर्दियों का एक विशिष्ट स्वादिष्ट व्यंजन हैं। प्रेम एवं संरक्षण के साथ उनकी सेवा की गई। सभी को शामिल करने हेतु 'प्रसन्नता के सूत्र' विषय पर एक संक्षिप्त संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया।

श्रील जीव गोस्वामी का तिरोभाव दिवस (26 दिसंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील जीव गोस्वामी जी का तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि, कीर्तन और भोज प्रसादम के साथ मनाया गया। वृंदावन के छह गोस्वामियों में सबसे छोटे श्रील जीव गोस्वामी ने अपने महान काका, श्रील रूप गोस्वामी एवं श्रील सनातन गोस्वामी के पश्चात वैष्णववाद की कमान संभाली। साहित्य, उपदेश एवं पुस्तक वितरण के माध्यम से इसे आगे बढ़ाते हुए, श्रील जीव गोस्वामी ने आधुनिक कृष्ण भावनामृत आंदोलन की नींव रखी, जिसका उद्देश्य सारे संसार को भक्ति के एक छत्र तले लाना था, जैसा कि बाद में श्रील प्रभुपाद ने कर के भी दिखाया।

बुक मैराथन जारी है

वार्षिक पुस्तक मैराथन, भक्तों की उमंग और उत्साह के साथ जारी है। भक्त अपनी सारी ऊर्जा और समय दिव्य साहित्य के वितरण, योजना बनाने, रणनीति बनाने और क्रियान्वित करने में लगा रहे हैं। मैराथन को बढ़ावा देने हेतु सार्वजनिक स्थानों पर स्टॉल लगाना, स्पॉन्सरशिप के लिए कारपोरेट घरानों से संपर्क करना और ऐसी कई गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। भक्तगण इस सेवा को करने में मौसम, प्रतिकूल आर्थिक विचारों एवं प्रदूषण तथा असंख्य वायरस के संपर्क में आने के डर का

🌳 Book Marathon continues

The Annual Book Marathon, continues with vigour and zest of devotees. Devotees are spending all their energy and time, in planning, strategizing and executing, distribution of transcendental literature. Putting up stalls at public places, approaching corporate houses for sponsorships and many such activities are being organized to give a push to the marathon. Devotees brave weather, adverse economic considerations and fear of exposure to pollution and innumerable viruses, in order to perform this service, which is very pleasing to Srila Prabhupada. Children, youngsters, grihasthas, brahmacharis, all are driven by the same motive: how to distribute more and more books, this year. Weekends are spent labouring in hotspots for sale, such as metro stations and malls. Weekdays are spent in calling and networking to promote the precious jewels. This time of the year is filled with excitement and frenzied activities, in the lives of devotees. The enthusiasm and dedication of devotees is heart-warming. They are motivated by the desire to earn mercy by rendering service to their Guru and the Lord.

🌳 New Year celebration (31st December)

The new year is a time to welcome auspiciousness in life. What better way to do it than in a celebration at the temple. On the eve of the new year, a cultural program was organized in the auditorium. Kirtan and rock show with dancing devotees, caused all to immerse their consciousness in spiritual bliss. Discourses by senior devotees were replete with instructions to utilize one's time in such a way that it retains its 'happiness' by using it in the service of the Lord. A drama on the contemporary situation of society was organized by the Vaikuntha Players. "The Program was a perfect way to ring in the New Year", said a youngster who spent New Year's Eve, chanting and dancing.

🌳 Welcoming the New Year in Style (ISKCON, Punjabi Bagh)

"Every day is a festival for the Vaishnavas" - This quote in spirit can be often witnessed among the ISKCON Punjabi Bagh community. While the community looks for reasons to celebrate, it never ignores an opportunity during conventional western festivities. One such occasion is New Year's eve. After 2 years marred by Covid, the new year's eve was celebrated again with all its frills. The highlight was a spiritual carnival organized by the temple congregation. The carnival consisted of special kirtans, darshans, food festivals, spiritual games, stalls for devotional shopping, information about various programs, and prasadam distribution. The purpose of the spiritual carnival was to give all the visitors a glimpse of Krishna Bhakti.



सामना करते हैं, जो श्रील प्रभुपाद को बहुत भाता है। बच्चे, युवा, गृहस्थ, ब्रह्मचारी, सभी एक ही उद्देश्य से प्रेरित हैं: इस वर्ष अधिक से अधिक पुस्तकों का वितरण कैसे किया जाए। सप्ताहांत बिक्री हेतु विशेष स्थानों पर, जैसे कि मेट्रो-स्टेशन एवं मॉल आदि में श्रम करते हुए व्यतीत होते हैं। बहुमूल्य पुस्तकों को बढ़ावा देने हेतु कॉलिंग और नेटवर्किंग में सप्ताह के दिन व्यतीत होते हैं। वर्ष का यह समय भक्तों के जीवन में उमंग एवं उत्साहपूर्ण गतिविधियों से भरा हुआ होता है। भक्तों का उत्साह और समर्पण दिल को छू लेने वाला है। वे अपने गुरु और भगवान की सेवा करके दया अर्जित करने की इच्छा से प्रेरित होते हैं।



🌳 नववर्ष का उत्सव (31 दिसंबर)

नया वर्ष जीवन में शुभता का स्वागत करने का समय है। मंदिर में उत्सव मनाने से उत्तम विधि और क्या हो सकती है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर इस्कॉन सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नाचते भक्तों के साथ कीर्तन और रॉक शो में सभी ने अपनी चेतना को आध्यात्मिक आनंद में डुबो दिया। वरिष्ठ भक्तों के प्रवचन, अपने समय का इस प्रकार सदुपयोग करने के निर्देशों से भरे हुए थे कि भगवान की सेवा में इसका उपयोग करके हम अपनी 'प्रसन्नता' को बनाये रख सकें। वैकुण्ठ के कलाकारों द्वारा समाज की समसामयिक स्थिति पर नाटक का आयोजन किया गया। एक युवा ने कहा, जिसने नए साल की पूर्वसंध्या, नृत्य एवं मंत्रोच्चारण में बिताई "नए वर्ष का शुभारम्भ करने हेतु यह कार्यक्रम एक उत्तम उपाय था"।

🌳 नवीन शैली में नववर्ष का अभिनन्दन (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

"वैष्णवों के लिए हर दिन एक त्योहार है" - इस उद्धरण की भावना इस्कॉन पंजाबी बाग भक्त समुदाय के मध्य अक्सर देखी जा सकती है। जबकि भक्त समुदाय उत्सव मनाने के कारणों को ढूँढता रहता है, यह पारंपरिक एवं पाश्चात्य उत्सवों के मध्य किसी भी अवसर की उपेक्षा नहीं करते। ऐसा ही एक अवसर है ऑग्ल नववर्ष। 2 साल तक कोविड से प्रभावित रहने के पश्चात, नववर्ष की पूर्व संध्या, पुनः पूरे तामझाम के साथ मनाई गई। मुख्य आकर्षण मंदिर की भक्त मण्डली द्वारा आयोजित एक (कार्निवल) आध्यात्मिक मेला था। इस मेले में विशेष कीर्तन, दर्शन, भोज उत्सव, आध्यात्मिक खेल, भक्ति खरीदारी हेतु स्टाल, विभिन्न कार्यक्रमों की सूचनाएँ तथा प्रसाद वितरण शामिल थे। आध्यात्मिक कार्निवल का उद्देश्य सभी आगंतुकों को कृष्ण भक्ति की झलक दिखाना था।

ISS Delhi as a centre of excellence for Indian Knowledge Systems by Ministry of Education

It is a matter of great celebration that after a three-stage rigorous screening, the Indian Knowledge Systems (IKS) division of the Ministry of Education, Govt. of India has recognized the Institute for Science and Spirituality (ISS) as a center of excellence for research, education, and outreach of IKS. ISS Delhi is currently working in the following three areas.

Indian Psychology, Yoga and Consciousness Studies

The physicalist and reductionist foundation of modern science has failed to comprehend the causal link between matter, mind, and consciousness. However, Bhagavat Samkhya perspectives of matter and consciousness can revolutionize the understanding. We wish to develop a scientific framework to study matter and mind based on Bhagavat Samkhya.

Gaudiya Vaishnava Vedanta and Philosophy of Science

The Achintya-Bhedabheda understanding of Vedanta beautifully establishes the relation between cause and effect. It says the effect is the cause in manifestation and the cause carries the effect as a potentiality. Thus, there is simultaneous equality and difference between cause and effect. We believe this idea can revolutionize the philosophy of modern science.

Contextualisation, cultural outreach, and dissemination of Gaudiya Vaishnavism

For any tradition to survive, contextualization and dissemination in different languages become inevitable. Without exception, Gaudiya Vaishnavism over history has witnessed the same multiple times. With this research project, we study the intellectual dissemination of Gaudiya Vaishnavism in Indian languages. With the above set of objectives, ISS Delhi is also hiring bright students as research associates and interns in order to fulfill Srila Prabhupada's vision that "Life comes from Life". For details visit <https://issdelhi.org/apply>

अध्यात्म एवं विज्ञान संस्थान दिल्ली, शिक्षा मंत्रालय के भारतीय ज्ञान प्रणाली द्वारा उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में स्थापित

यह बड़े उत्सव का विषय है कि तीन चरणों की कठोर जाँच के पश्चात, भारत सरकार के, शिक्षा मंत्रालय विभाग के, भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) द्वारा अध्यात्मिकता एवं विज्ञान संस्थान (ISS) को IKS के साथ मिलकर, शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आईकेएस की आउटरीच हेतु उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। आईएसएस दिल्ली वर्तमान में निम्नलिखित तीन क्षेत्रों में कार्य कर रहा है।

भारतीय मनोविज्ञान, योग एवं चेतना का अध्ययन

आधुनिक विज्ञान अपने भौतिकवादी तथा न्यूनीकरणवादी मानसिकता के आधार पर पदार्थ, मन एवं चेतना के मध्य के संबंध को समझने में विफल रहा है। जबकि, भागवत सांख्य के दृष्टिकोण के माध्यम से पदार्थ और चेतना के विषय की समझ में क्रांति लाई जा सकती है। हम भागवत सांख्य के आधार पर मन एवं पदार्थ का अध्ययन करने हेतु एक वैज्ञानिक ढांचा विकसित करना चाहते हैं।

गौड़ीय वैष्णव वेदांत एवं विज्ञान का दर्शन

वेदांत का अचिन्त्य-भेदाभेद दर्शन, कारण एवं प्रभाव के मध्य के संबंध को उच्चतम रूप में स्थापित करता है। यह कहता है कि प्रभाव, सृष्टि में कारक के कारण है और कारक, प्रभाव को क्षमता के रूप में धारण करता है। अतः इस प्रकार कारक और प्रभाव के मध्य एक साथ अंतर और समानता है। हमारा मानना है कि यह विचार आधुनिक विज्ञान के दर्शन में क्रांति ला सकता है।

गौड़ीय वैष्णववाद का संदर्भ, सांस्कृतिक पहुंच एवं प्रसार

किसी भी परंपरा के जीवित रहने हेतु प्रासंगिकता एवं विभिन्न भाषाओं में प्रसार अपरिहार्य हो जाता है। बिना किसी अपवाद के, इतिहास में गौड़ीय वैष्णववाद ने कई बार ऐसा ही देखा है। इस शोध परियोजना के साथ, हम भारतीय भाषाओं में गौड़ीय वैष्णववाद के बौद्धिक प्रसार का अध्ययन करेंगे।

उद्देश्यों के उपरोक्त विन्यास के साथ, आईएसएस दिल्ली श्रील प्रभुपाद के दृष्टिकोण "जीवन, जीवन से आता है" को पूरा करने हेतु शोध छात्रों एवं इंटरन के रूप में तेजस्वी विद्यार्थियों को भी नियुक्त कर रहा है। विवरण हेतु <https://issdelhi.org/apply> पर जाएं।

<https://issdelhi.org>

Institute for Science and Spirituality

(a scientific research division of ISKCON Delhi)

Ministry of Education, Govt of India

IKS Center approved by Ministry of Education, Govt of India

Value Education Olympiad (VEO) - Historical Developments
(ISKCON, Punjabi Bagh)

After seeing the participation of 30,000 students from 20 different countries in VEO which was organized by ISKCON Punjabi Bagh in collaboration with the Ministry of Environment, UN Environment Programme, the program for the first time in the history of ISKCON has now collaborated with the Directorate of Education. This means that the program is now being organized for all Delhi government schools. There are a total number of 2400 schools with 17 lakh students. More than 2 lakh students from classes 5th to 12th are expected to participate in this program which introduces and cultivates 6 values that will make students sensitive to the environment. Apart from the above, the program also collaborated with the Ministry of Tribal Affairs (Govt of India), through which 25,000 students of Eklayva schools participated in VEO. The program is totally free of cost for all students and involves massive operations and coordination to give students, teachers, principals, and parents a positive, exciting learning experience.

मूल्य शिक्षा ओलंपियाड (वीईओ) - ऐतिहासिक विकास
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

वीईओ में 20 विभिन्न देशों के 30,000 छात्रों की भागीदारी को देखने के उपरान्त, जो कि इस्कॉन पंजाबी बाग द्वारा पर्यावरण मंत्रालय एवं संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सहयोग से आयोजित किया गया था, इस्कॉन के इतिहास में पहली बार इस कार्यक्रम ने अब शिक्षा निदेशालय के साथ अनुबंध किया गया है। इसका अर्थ है कि यह कार्यक्रम अब दिल्ली सरकार के सभी स्कूलों में आयोजित किया जा रहा है। 17 लाख छात्रों के साथ कुल 2400 स्कूल हैं जिनमें कक्षा 5वीं से 12वीं तक के 2 लाख से अधिक छात्रों के इस कार्यक्रम में भाग लेने की आशा है। यह कार्यक्रम इन छात्रों में 6 विभिन्न मूल्यों का परिचय एवं विकास करता है जो इन्हें पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाएंगे। उपरोक्त के अतिरिक्त, इस कार्यक्रम ने भारत सरकार के जनजातीय मामलों के मंत्रालय के साथ भी अनुबंध किया है, जिसके माध्यम से एकलव्य स्कूलों के 25,000 छात्र भी वीईओ में भाग लेंगे। यह कार्यक्रम सभी छात्रों हेतु पूर्णतः निःशुल्क है तथा इसमें छात्रों, शिक्षकों, प्रधानाचार्यों एवं अभिभावकों को एक सकारात्मक, रोमांचक तथा शैक्षणिक अनुभव देने हेतु बड़े स्तर पर संचालन और समन्वय शामिल है।



Upcoming events:



आगामी कार्यक्रम

Appearance of Srila Gopala Bhatta Goswami
(12th January)
(ISKCON, East of Kailash)

Appearance of Srila Gopala Bhatta Goswami will be celebrated with pushpanjali, kirtan and feast. Devotees will assemble to remember the teachings and instructions of the great acharya.

श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी का प्राकट्य (12 जनवरी)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

पुष्पांजलि, कीर्तन एवं भोज प्रसादम के साथ श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी का प्राकट्य मनाया जाएगा। महान आचार्य की शिक्षाओं और निर्देशों का स्मरण करने हेतु के लिए भक्तगण एकत्रित होंगे।



श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी का प्राकट्य (26 जनवरी)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

पुष्पांजलि, कीर्तन एवं भोज प्रसादम के साथ श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी का प्राकट्य दिवस मनाया जाएगा। पानीहटी के चीड़ा-दही उत्सव की लीला एवं ऐसी ही अन्य लीलाओं का स्मरण किया जाएगा, ताकि श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी जैसे अपने श्रेष्ठ भक्तों के साथ भगवान के आदान-प्रदान एवं लीलाओं का आनंद उठाया जा सके।

Appearance of Srila Raghunatha Dasa Goswami
(26th January)
(ISKCON, East of Kailash)

Appearance of Srila Raghunatha Dasa Goswami will be celebrated with pushpanjali, kirtan and feast. The pastimes of Panihati cida-dahi festival and other such pastimes, will be remembered, to relish the reciprocation of the Lord with His exalted devotees, such as Srila Raghunatha Dasa Goswami.



Tree Plantation Drive (ISKCON, Punjabi Bagh)

Delhi is counted as one of the most populated and polluted cities in the world. How can we contribute and serve as part of the solution? ISKCON plans in collaboration with the Directorate of Education plans to plant 2,00,000 trees in all the government schools of Delhi during the month of April-March, 2023. The time has been chosen as the most favorable climate for the tree plantation drive. Temple invites everyone to participate in this either through sponsoring a tree or volunteering. More information shall follow in the coming month.



One Day International Conference on Vaishnava Vedanta at JNU (4th Mar) (ISS Delhi, ISKCON Delhi)

Institute for Science and Spirituality is organizing an international conference on "Philosophy of Vaishnava Vedanta: Culture, Legacy and Traditions" at Jawaharlal Nehru University (JNU) on 4th March 2023. This event envisages the confluence of traditional scholars and academicians for deliberating various systems of Vaishnava Vedanta.

वृक्षारोपण अभियान (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

दिल्ली की गिनती संसार के सर्वाधिक जनसँख्या वाले तथा प्रदूषित शहरों में होती है। हम समाधान के हिस्से के रूप में किस प्रकार सेवा एवं योगदान कर सकते हैं ? इस्कॉन ने मार्च-अप्रैल 2023 के दौरान दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षा निदेशालय के सहयोग से 2,00,000 पेड़ लगाने की योजना बनाई है। वृक्षारोपण अभियान हेतु इस समय को सबसे अनुकूल जलवायु के रूप में चुना गया है। मंदिर सभी को इसमें भाग लेने हेतु आमंत्रित करता है या तो स्वेच्छा से पेड़ लगाएँ अथवा एक पेड़ प्रायोजित करें। आगामी महीनों में सूचना मिलने पर इसका और अधिक पालन किया जाएगा।

जेएनयू में वैष्णव वेदांत पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (4 मार्च) (आईएसएस दिल्ली, इस्कॉन दिल्ली)

आध्यात्मिकता एवं विज्ञान संस्थान 4 मार्च 2023 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) में "वैष्णव वेदांत का दर्शन: संस्कृति, विरासत एवं परंपरा" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है। यह आयोजन वैष्णव वेदांत की विभिन्न पद्धतियों पर विचार-विमर्श हेतु पारंपरिक विद्वानों एवं शिक्षाविदों के संगम की परिकल्पना करता है।



Jawaharlal Nehru University (JNU)

in association with

Institute for Science and Spirituality (ISS)



One Day International Conference

PHILOSOPHY OF VAISHNAVA VEDANTA: CULTURE, LEGACY AND TRADITIONS



+91-99710-29784

vedanta@issdelhi.org

Coordinators:

Prof. C. Upendra Rao, JNU

Mr. Parveen Kumar, ISS Delhi

Dr. Nandita Saikia, IIPS Mumbai

Dr. Narottam Damodar Das, ISS Delhi

9 am - 5 pm
4th March 2023

Event details & Registration :
<https://issdelhi.org/conf/jn>

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir (Panghat wala), Gurudwara Road Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road (Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar- E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir 1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri, New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika Sangam Vihar, New Delhi-110080,
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station, New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivasa Angan Namahatta Center, 223-A Pkt. C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park, Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram, New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market, New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road, Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MANDIR-New Colony, Gurugram,
Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center
Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,
Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Katwaria Sarai - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30 PM. Family program - Every Saturday 7.30 PM

Ladosarai - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai, New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

Mehrauli - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk, Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.
Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.
Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;
Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

Chattarpur - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal, Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,
Contact: 9910290149
Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

Aya Nagar 1- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road, Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.
Contact: 9953891845,8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

Aya Nagar 2- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.
Contact: 9899729858, 8368656274
Program: Every Sunday 4 To 6 PM

Malviya Nagar - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.
Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

Khirk Extension - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirki Extension.
Contact No. +91 98911 27996
Program: Every Sunday 5 PM Onwards

Kishan Garh - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738
Every Sunday, 3:00 PM onwards

Sangam Vihar - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham, Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.
Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;
Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

East Of Kailash - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School, New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.
Youth Program:- Saturday 7:00 PM

Ber Sarai - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi,
Contact - 8882347935,7065835531
Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

Vasant Kunj - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave, New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.
Every Sunday- 04:00 PM

Saket - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket, New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986
Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

Tigri Extension - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir, Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117
Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

Ghitorni - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni, New Delhi-110030, Contact No. -9975756916,7065835531
Youth Program- Thursday-7:00PM

Sultanpur - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.
Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;
Congregation Program-Friday 5:00 PM

Prahlad Pur - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044
Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

Paharganj - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola, Paharganj, Contact No. 9818188182; 9810224106
Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666



International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65

Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com

Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075
Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/
Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,
Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231, Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,
Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham,
Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika
Business park), Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R,
35, Hare Krishna Marg,
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0,
Near Delhi Public School,
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat,
Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5,
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar
Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

ISKCON East Delhi - Hare Krishna Center
12/115 Geeta Colony, Delhi-110031